ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 06-09-2024

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-09-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-09-07	2024-09-08	2024-09-09	2024-09-10	2024-09-11
वर्षा (मिमी)	32.0	28.0	15.0	12.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	27.0	27.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	17.0	17.0	17.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	96	93	90	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	45	40	40	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	6	5	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	140	140	50	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	5	5	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 10 सितंबर तक 10-32 मिमी के बीच हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.0 से 28.0 डिग्री सेल्सियस और 16.0-17.0 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 5-6 किमी/घंटा की गति से हवा चलेगी। 6 सितंबर को अधिकांश स्थानों पर, 7 सितंबर को कई स्थानों पर और 8 से 12 सितंबर तक कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 6 सितम्बर को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा/आंधी के साथ बिजली चमकने/तीव्र से बहुत तीव्र वर्षा होने की पीली चेतावनी जारी की गई है तथा 7 से 9 सितम्बर को भारी वर्षा के बिना ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैंऔर गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.40 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 06.09.2024 से 12.09.2024 के दौरान सामान्य से कम वर्षा, तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए उचित जल निकासी और कृषि गतिविधियों की समय-सारणी बनाई जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	ऊंची पहाड़ियों पर रोपी गई चावल की फसल में अब पैनिकल की शुरुआत होगी, इसलिए खेत में नमी बनाए रखनी चाहिए। मध्यम पहाड़ियों में चावल की फसल पर रोग/कीट के लिए निगरानी रखनी चाहिए और पत्तियों पर पानी से भरे धब्बे जैसे जीवाणुजनित झुलसा के लक्षण दिखाई देने पर निगरानी रखनी चाहिए, जो धीरे-धीरे बढ़कर लंबी धारियों में बदल जाते हैं और अंततः हल्के भूरे रंग के हो जाते हैं। अत्यधिक रोग की स्थिति में, 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन + 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 1000 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। छिड़काव 7-10 दिनों के अंतराल पर किया जाना चाहिए। ईटीएल से ऊपर तना छेदक दिखाई देने पर क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 20 एससी, 150 मिली/हेक्टेयर या फ्लूबेंडियामाइड 480 एससी, 75 मिली/हेक्टेयर या फिप्रोनिल 5 एससी, 1.0 लीटर या 600 ग्राम कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्ल्यूपी या 2.5 लीटर क्लोरपाइरीफोस 20 ईसी को 500-600 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। सामान्य कीट यानी ब्राउन प्लांट हॉपर दिखाई देने पर किसानों को ट्राइफ्लुमेजोपाइरिम 10 एससी, 235 मिली/ फिप्रोनिल 5 एससी, 1000 मिली/ बुप्रोफेजिन 25 एससी, 1 लीटर/ थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूएसजी, 100 ग्राम को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास किया जाना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम और स्टेम बोरर+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फ़िप्रोनिल 5 एससी का उपयोग किया जाना चाहिए। सभी खेती की गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
रागी	बाजरे की देर से पकने वाली किस्मों में फसल की निगरानी करते रहें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुंचाता है। इसकी रोकथाम के लिए फिप्रोनिल 5 एस. सी., 1 लीटर या कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्ल्यू. पी. , 600 ग्राम या क्लोरपायरीफॉस 20 ई. सी. , 2.5 लीटर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रभावित क्षेत्र पर छिड़काव करना चाहिए। खेती से जुड़ी सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही करनी चाहिए।
मक्का	ऊंची पहाड़ियों में फसल की उचित निगरानी करें और भुट्टा बनने पर पूर्वानुमान के अनुसार हल्की सिंचाई करें। ब्लाइट (पीले या भूरे रंग के अंडे के आकार के धब्बे) दिखाई देने पर मैन्कोजेब या जिनेब 75 WP @ 1.5 -2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर 750-800 लीटर पानी में डालें। दूसरा छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
काला चना	वानस्पतिक अवस्था में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य किया जाना चाहिए तथा फसल के पूर्वानुमान एवं आवश्यकता के अनुसार हल्की सिंचाई की जानी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा फैलने वाले पीले मोजेक वायरस के प्रकोप पर, 10-12 दिनों के अंतराल पर 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. का प्रयोग करें। किसानों को पीले मोजेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का प्रयोग करना चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए। परिपक्व फसल की कटाई कर उसे क्रय/ उपभोग के लिए भण्डारित कर लेना चाहिए।
मूँग	वानस्पतिक अवस्था में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य किया जाना चाहिए तथा फसल के पूर्वानुमान एवं आवश्यकता के अनुसार हल्की सिंचाई की जानी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा फैलने वाले पीले मोजेक वायरस के प्रकोप पर, 10-12 दिनों के अंतराल पर 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. का प्रयोग करें। किसानों को पीले मोजेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का प्रयोग करना चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए। परिपक्व फसल की कटाई कर उसे क्रय/ उपभोग के लिए भण्डारित कर लेना चाहिए।
सोयाबीन	फसल की नियमित निगरानी करें और तना मक्खी होने पर क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी, 150 मिली को 700-800 लीटर पानी में मिलाकर डालें। यह प्रयोग गर्डल बीटल के लिए प्रभावी है। खेती से जुड़ी सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	फली आने पर खेत को सूखने से बचाने के लिए पूर्वानुमान एवं आवश्यकता के अनुसार फसल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। फली छेदक कीट दिखाई देने पर फूल आने के समय खेत में फेरोमोन, 5-6 ट्रेप/ हेक्टेयर की दर से डालें। यदि दो-तीन दिन तक लगातार प्रति ट्रेप 5-6 कीट दिखाई दें तो निम्न में से कोई एक दवा प्रयोग करें अर्थात एन.पी.वी., 500 बोरर समतुल्य बी.टी., 1 किग्रा/हेक्टेयर। निम्बोली 5% + 1% साबुन का घोल तथा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी., 353-400 मिली या एमा मेक्टिन बेंजोएट 5 एस.जी., 220 मि.ग्रा. या स्पिनोसैड 45 एस.सी., 125-162 मिली/हेक्टेयर। खेती के सभी कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी, पत्तागोभी और नोल-खोल की पछेती किस्मों की रोपाई इस महीने में की जा सकती है और यह तब किया जाना चाहिए जब पौधे 4-6 सप्ताह के हो जाएं या उनमें 4-6 पत्ते आ जाएं। रोपाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए। खेती से जुड़ी सभी गतिविधियाँ मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मूली	मूली की यूरोपीय किस्में जैसे पूसा हिमानी, पूसा मधुशाला, स्कारलेट ग्लोब, स्कारलेट लॉन्ग, गाजर की एशियाई और यूरोपीय किस्में जैसे पूसा केसर, पूसा मेघाली, अर्का सूरज, पूसा वृष्टि, पूसा रुधिरा, शलजम की किस्में जैसे पूसा कंचन, पूसा श्वेती, पंजाब सफेद, स्नोबॉल, गोल्डन बॉल, पूसा स्वर्णिमा, पूसा चंद्रिमा और चुकंदर की किस्में जैसे क्रिमसन ग्लोब, अर्ली वंडर, डेट्रॉएट डार्क रेड इस महीने में बोई जा सकती हैं। शुष्क मौसम की स्थिति में बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सभी खेती की गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मिर्च	मिर्च की फसल की ऊपरी डंठल सूखने पर और काली पड़ने पर संक्रमित शाखाओं को तोड़कर हटा देना चाहिए, ताकि फसल को बचाया जा सके। फसल को सड़ने से बचाने के लिए 0.1% कैरबेंडाजिम घोल का छिड़काव करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
आलू	मध्य सितंबर सिंचित घाटियों में आलू बोने का अच्छा समय है। सभी कृषि गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछड़ों का दूध छह माह के बाद ही छुड़ाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे तरीके से हो सके।
भेंस	'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए खुरों को 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में सुबह-शाम 2-3 मिनट के लिए कम से कम 3 दिन तक डुबोकर रखना चाहिए।
बकरा	ग्रामीण क्षेत्रों में भेड़-बकरियों को एक माह पर टेटनस टॉक्साइड के 2 टीके तथा 5 माह पर दूसरा टीका लगाया जाना चाहिए, ताकि नवजात मेमनों को टेटनस रोग न हो।